अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 19/11/2023 **समय : सुबह 9 से 12** **कुल अंक : 100**

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 3 अनिवार्य है । 2) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1. अ) सही या गलत बताएँ। (10)

1. कुशीलवों के साथ कथ्थक नृत्य का वास्तविक इतिहास प्रारंभ हुआ।
2. शास्त्रीय परंपरा में 'नृत्त' के तांडव और 'नृत्य' को लास्य कहा गया है।
3. कथ्थक में 'सोलह अंग बनावत' ऐसा कवित्त छंदो, बंदिशोंमें कहा जाता है। इन सोलह अंग में अंग, प्रत्यंग, उपांग इन सभी का प्रतिनिधित्व नही होता है।
4. ता, थेई, तत्, तिग्दा, दिगदिग, त्राम, आदि बोलों से निर्मित बंदिश को "नृत्तांगी बोल" या 'विशुद्ध नृत्त के बोल' कहा जाता है।
5. नृत्य में अंगोका नियमानुसार ललित परिचालन किया जाये तब उसे "सुढंग" कहते है।
6. "त्रिभंग" भगवान शंकर जी एक विशिष्ट मुद्रा का नाम है।
7. "लोम–विलोम" मतलब चाल लेकर आगे की ओर बढ़ना और फिर पीछे लौटना है।
8. विभाव, अनुभाव, और संचारी भाव में पोषित स्थायी भाव रस रुप में मुख्य होता है।
9. नाट्यादि में नायक–नायिका आदि को उद्दीपन विभाव माना गया है।
10. श्रृंगार रस के तीन भेद माने गए है।

(10)

ब) **रिक्त स्थानों की पूर्तता करे।**

1. नर्तक नृत्य करते समय तबला–पखवाज वादक के साथ जब प्रतिव्दंदिता (जुगलबंदी) करता है तब उसे ---------- कहा जाता है।
2. नर्तन में रस–निष्पति के बाह्य कारणों को ---------- कहते है।
3. व्यभिचारी भाव संख्या में ---------- माने गये है।
4. पंचमवेद के लेखक ---------- माने जाते है।
5. नाट्यशास्त्र में ग्रीवा (गर्दन) के ---------- प्रकार बतलाएँ है।
6. निर्वेद, ग्लानी, धृति, जडता, दैन्य आदि नामोल्लेख ---------- में से है।
7. हास्यरस का वर्ण ---------- होता है।
8. नायक के ---------- सात्त्विक गुण होते है।
9. ताल शब्द की उत्पति ---------- धातुसे हुयी है।
10. संगीत रत्नाकर के ---------- अध्याय में कथ्थक शब्द प्राप्त है।

(20)

प्र.2. टिप्पणी लिखे। (कोई दो)

1. नाट्यशास्त्र का उद्‌गम,
2. तौर्यत्रिकम् शब्द की जानकारी,
3. यति के कितने भेद है, एक यति का उदाहरण लिखिए।

(20)

प्र.3. लिपिबद्ध कीजिए। (कोई दो)

1. किसीभी ताल में मिश्र जाती परन।
2. धमार में बेदम तिहाई।
3. तीनताल में तिपल्ली।
4. बसंत ताल में कवित्त।

प्र.4. भाव तथा रस का परस्पर संबंध बतलाकर नृत्य में भाव, रस का स्थान सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (20)

प्र.5. भारतीय आठ शास्त्रीय नृत्यशैलीयों में मंदिर परंपरा का दर्शन होता है। क्यों।- स्पष्ट कीजिए। (20)

प्र.6. 'मैया मोरी.....मैं नही माखन खायो' 'उधो मोहे ब्रिज बिसरत नाही' इन दों पदों के आधारपर संत सुरदासजी की काव्य प्रतिभाका कथ्थक नृत्य के संदर्भ में विवेचन करें। (20)

प्र.7. सायक्लोरामा, प्रोजेक्टर, तथा क्रोमा (डिजिटल परफॉर्मन्स) आदि आधुनिक तकनिकोंपर विवेचन करे- तथा आधुनिक रंगप्रस्तुती पर अपने विचार प्रकट करे। (20)